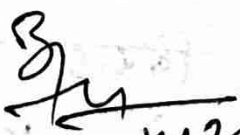


21/5/97 को होम वाइ वरिगज खालु 50 मंगला कोर्ट
 को खरीद कर खेती किया गया जिसकी खालु 50 मंगला
 ने अपील RAA दुर्गा में अपील नं 15/97 पेश की
 त्रिभुजा निर्णय दिनांक 30.5.98 को होम अपील
 अपील नं खालु 50 मंगला कोर्ट खरीद की गई।
 तत्पश्चात् पुनः खालु 50 मंगला ^{केवळ} कोर्ट द्वारा एक
 वाइ उपखण्ड अधिकारी लीमलवादा के समक्ष दिनांक
 पेश हुआ जिसने 98/2004 में निर्णय जारी राजकीनादा
 दिनांक 31.01.2006 को होम अंतिम वीथी जारी
 बकाया किया गया। इसी निर्णय दिनांक 31.01.2006
 के विरुद्ध कचरू के वरीलान दिनेश कोर्ट ने
 76/2006 पेश किया कि निर्णय उपखण्ड अधिकारी
 दिनांक 31.01.2006 वाइ नं 98/2004 जारी राजकीनादा
 खरीद किया जावे इस पर उपखण्ड अधिकारी द्वारा
 निर्णय दिनांक 28.2.2008 दिया जाकर धारा 11 जाति
 के आधार पर वाइ 76/2006 खरीद किया गया
 जिसके विरुद्ध दिनेश कचरू कोर्ट ने अपील RAA
 दुर्गा में 187/2008 पेश की जिसका निर्णय दिनांक
 30.12.2015 को होम निर्णय दिनांक 28.2.2008
 खरीद कर पुनः धारा 11 जा. ही. पर हुकूम निर्णय
 दिए जाने के अतिरिक्त। कमील वरीगज ने
 निवेदन किया कि निर्णय जारी राजकीनादा दिनांक 31.1.2006
 को खरीद किया जावे क्योंकि उस पर दोनो अधिकारी
 शर्मा कचरू व नगजी के हस्ताक्षर नहीं हैं तथा केवल
 कचरू के ही हस्ताक्षर हैं अतः राजकीनादा खरीद
 किया जावे कमील अधिकारी ने बताया कि कचरू
 के राजकीनादा पर हस्ताक्षर हैं तथा वह लहदा था
 इसके वरीलान वापस पावा नहीं हो सके हैं तथा
 नगजी व उसके वरीलान ने आज दिनांक लगे कोई

उपखण्ड अधिकारी
 लीमलवादा

आपति पेश नहीं कि है कतः शरीराने से इति
बीड़ी को बहाल रखा जाय वाडवाहीवज
खादीय मिया जाये।

उपपक्ष बहद पर मनम विचाराज्य
सलंग दस्तावेज, पत्रावली व विषयों का अवलोकन
किया गया। SCM - भाषालय द्वारा पारित
निर्णय दिनांक 31.1.2006 बदलने का अधिकार
अपीलान्ट को था जहाँ वाडीगणों ने कोई
अपील नहीं की तथा उसी जमीन के लिए
पुनः इसी कोर्ट में जाया पेश किया जो कब्र
घीन होने के कारण खारिज किया जाता है।
निर्णयानुसार बीड़ी पर्याप्त पाती है। पत्रावली
खारीज होकर काजील पत्र की जाती है निर्णय
दिनांक 04.2.2014 को पहले न्यायालय में
जुगादा पाकर पत्रावली देकर सही।


5/2/2014
समखण्ड अधिकारी
सीमलवाड़ा